

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

वर्ष: 05

अंक: 14

पृष्ठ: 4

जयपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर, 2026

मूल्य: 05 रु.

वार्षिक मूल्य: 150 रु.

मोरीजा सरपंच प्रत्याशी शीला सैनी के कार्यालय का भव्य उद्घाटन, आशीर्वाद रैली में उमड़ा जनसैलाब

- हनुमान जी एवं हांडीदास बाबा का आशीर्वाद लेकर निकाली विशाल आशीर्वाद रैली
- बस स्टैंड पर बुजुर्गों के कर-कमलों द्वारा हुआ चुनावी कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन
- माला, साफा और चुनरी ओढ़ाकर ग्रामीणों ने जताया अपार जनसमर्थन; विकास का लिया संकल्प

चौमूं (संस्कार सृजन)। पंचायती राज चुनाव 2026 की सरगमियां तेज होते ही चौमूं पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोरीजा में चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। ग्राम पंचायत मोरीजा से सरपंच पद की संशक प्रत्याशी शीला सैनी के चुनाव कार्यालय का आज अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ उद्घाटन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की भारी उपस्थिति रही, जिससे पूरे क्षेत्र में शीला सैनी के प्रति अपार जनसमर्थन और उत्साह देखने को मिला।

कार्यालय उद्घाटन से पूर्व सरपंच प्रत्याशी शीला सैनी ने मोरीजा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हांडीदास बाबा एवं हनुमान जी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और ग्राम पंचायत की सुख-समृद्धि एवं विजय का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने पूरे मोरीजा गांव में एक



विशाल आशीर्वाद रैली निकाली, जिसमें ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर और शीला सैनी को माला, साफा एवं चुनरी ओढ़ाकर उनका भावभीना स्वागत-सत्कार किया। रैली के मोरीजा बस स्टैंड पहुंचने के पश्चात क्षेत्र के वरिष्ठ एवं पूज्य बुजुर्गों के कर-कमलों द्वारा फीता काटकर चुनाव कार्यालय का आधिकारिक एवं भव्य उद्घाटन

किया गया। इस मौकालिक अवसर पर उपस्थित सभी ग्रामवासियों, समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं में मिठाई व फलों का वितरण कर खुशी जताई गई। कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सरपंच प्रत्याशी शीला सैनी ने कहा कि आज मैंने मोरीजा गांव की देवतुल्य जनता और पूज्य बुजुर्गों का स्नेह व



आशीर्वाद लेकर चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि मोरीजा का हर नागरिक अपना अमूल्य वोट और आशीर्वाद देकर मुझे सेवा का अवसर प्रदान करेगा। यदि गांव की जनता मुझे विजयी बनाती है, तो मैं मोरीजा गांव पंचायत के सर्वांगीण विकास और जन-जन से किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए

पूरी निष्ठा व ईमानदारी से प्रयास करूंगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय प्रबुद्धजनों ने भी मोरीजा के चहुंमुखी विकास, सुदृढ़ व्यवस्थाओं और वारदशीता के लिए शीला सैनी को भारी मर्तो से विजयी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों का उत्साह और एकजुटता देखते ही बन रही थी।

संस्कार टेलीफिल्म्स पर जल्द रिलीज होगी शॉर्ट फिल्म पिता

जयपुर (संस्कार सृजन)। कला, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म पिता का पोस्ट प्रोडक्शन कामप्लीट हो चुका है। यह शॉर्ट फिल्म जल्द ही संस्कार टेलीफिल्म्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग जयपुर की विभिन्न लोकेशन पर की गई है। फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि फिल्म में एक पिता के उस अनछुए पहर को बारीकी से दिखाया गया है, जो बाहर से कठोर और सख्त नज़र आते हैं, लेकिन अंदर से उतने ही कोमल और अपने बच्चों के लिए बेहद खेती होते हैं। इसके साथ ही फिल्म का दूसरा अहम पहलू यह भी उजागर करता है कि जिनके सिर से पिता का साया उठ जाता है, वे ही वास्तव में पिता के निःस्वार्थ प्यार और उनकी अहमियत



को सबसे गहराई से समझ पाते हैं। परिवारिक ताने-बाने पर बनी यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। इस शॉर्ट फिल्म में राजस्थानी फिल्मों के महानायक उम्रसन तंवर, जय पांडे, अभिनव शर्मा और

मुकेश पीपलीवाल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। एडिटिंग रजनीश सैनी की है। जयजल प्रोडक्शन का शूटिंग में विशेष सहयोग रहा है। हाल ही में पत्रकार और फिल्ममेकर राम गोपाल सैनी द्वारा निर्देशित शॉर्ट फिल्म गलती किसकी का इंटरनेशनल टैगोर फिल्म अवार्ड 2026 के लिए ऑफिशियल सिलेक्शन हुआ है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इससे पहले भी संस्कार सृजन संस्था द्वारा निर्मित अनमोल जीवन, अपमान, सच्ची आजादी, राखी, दुरिया और गलती किसकी जैसी शॉर्ट फिल्म संस्कार टेलीफिल्म्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुकी हैं, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। चैनल आगे भी सामाजिक सन्देश देने वाली शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कर नए कलाकारों को मौका देता रहेगा।

पंडित रविन्द्राचार्य ने आमेर शिला माता के दर्शन कर की सर्वमंगल की कामना

जयपुर (संस्कार सृजन)। शारदीय नवरात्रि के शुभ और पावन अवसर पर आज अंतर्राष्ट्रीय भविष्य वक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने जयपुर स्थित सुप्रसिद्ध आमेर की शिला माता मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जन-कल्याण के लिए माता रानी से मंगल कामना की। मंदिर परिसर आगमन पर शिला माता मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित बनवारी शर्मा ने पंडित रविन्द्राचार्य का भावपूर्ण स्वागत किया। उन्होंने माता रानी की पवित्र चुनरी ओढ़ाकर और पुष्पमाला पहनाकर उनका परंपरिक विधि-विधान से सम्मान व अभिनंदन किया। पूजा-अर्चना के उपरांत पंडित रविन्द्राचार्य ने कहा कि शारदीय नवरात्रि का पर्व शक्ति उपासना का पावन अवसर है और माता शिला देवी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। इस पावन अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में शिला माता मंदिर के पुजारी पंडित बनवारी शर्मा, पंडित ओम शर्मा, किशन सिंह, पूर्व हवामहल अधीक्षक सरोजिनी, श्याम प्रेमी गोपाल भाई, युवा नेता अजीत गौड़, हेमगाई अशोक, सुनील तथा मुकेश अग्रवाल सहित अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।



चौमूं के टोकस मेडिसिटी हॉस्पिटल में हुआ निःशुल्क ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ

3 बेड से शुरू हुआ सफर 300 बेड के मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में बदला, कैंसर मरीजों के लिए जल्द शुरू होगी पेट-सिटी स्कैन सुविधा, आपातकालीन सेवाओं के लिए बनेगा हेलीपैड

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के एनएच 52 स्थित टोकस मेडिसिटी हॉस्पिटल में निःशुल्क ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न प्रमुख विभागों के वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आमजन को परामर्श व चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। निःशुल्क परामर्श पाने के लिए पहुंचे ही दिन बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंचे।

आज शुरू हुई इस निःशुल्क ओपीडी में जनरल मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटालीजी, जनरल सर्जरी, गाइनकोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स तथा न्यूरो सर्जरी जैसे मुख्य विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। हॉस्पिटल निदेशक डॉक्टर अशोक



टोकस ने बताया कि यह क्षेत्र की जनता का अटूट विश्वास और सहयोग ही है कि मात्र 3 बेड की क्षमता से शुरू हुआ हमारा यह संस्थान आज 300 बेड के

अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का रूप ले चुका है। हमारा एकमात्र उद्देश्य क्षेत्रवासियों को उनके अपने शहर में ही विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध

करना है। अस्पताल में आधुनिक मशीनों और चिकित्सा पद्धति द्वारा मरीजों का इलाज किफायती दर पर किया जाएगा। निःशुल्क ओपीडी परामर्श के साथ-साथ लैब व अन्य चिकित्सीय जांचों पर भी विशेष छूट प्रदान की जा रही है।

कैंसर रोगियों को बेहतर और त्वरित निदान की सुविधा देने के लिए अस्पताल में बहुत जल्द पेट-सिटी (PET-CT) स्कैन की सुविधा प्रारंभ की जा रही है। गंभीर एवं आपातकालीन स्थितियों में दूर-दराज के क्षेत्रों से मरीजों को एयर एम्बुलेंस से लाने या स्थानांतरित करने हेतु अस्पताल परिसर में हेलीपैड का निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है। टोकस मेडिसिटी हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीजों को केवल

बेहतर, सुलभ और मानवतावादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, जिससे किसी भी नागरिक को इलाज के अभाव में परेशान न होना पड़े।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि चौमूं शहर के राधास्वामी बाग स्थित टोकस गैस्ट्रो हॉस्पिटल का शुरुआत 10 साल पहले की गई थी। पिछले एक दशक में अस्पताल ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। अस्पताल में अब तक 20 हजार से अधिक कीमोथेरेपी, 55 हजार से अधिक एंडोस्कोपी, 36 हजार डे-केयर प्रक्रियाएं और 3.5 लाख से अधिक मरीजों को ओपीडी परामर्श सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

संपादकीय

महंगाई से हम कैसे करें मुकाबला

त्योहार के मौसम में बड़ी महंगाई से मध्यवर्ग और गरीबों की पेशानी पर बल पड़ने सामाजिक है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 प्रतिशत थी। इस वक यह गुजरे 23 महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, थोक महंगाई दर भी सितंबर में उछलकर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 9.92 प्रतिशत थी। बाकी संकेतकों का हाल भी इससे बहुत जुदा नहीं है। खाद्य महंगाई दर (खुदरा) बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई है, जबकि ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर 25 फीसदी को पार कर चुकी है। बेशक, ये आंकड़े राष्ट्रीय आधार पर तैयार किए जाते हैं, लेकिन इनका असर हर तबके पर अलग-अलग पड़ता है। मसलन, महंगाई दर अमीरों या कुछ हद तक उच्च मध्यवर्ग पर उस तरह असरदाज नहीं होती, जिस तरह निम्न मध्यवर्ग या वंचितों पर होती है। इसकी एक बड़ी वजह है- अलग-अलग 'कंजमेशन बास्केट', यानी उपभोग खर्च। यह 'बास्केट' ऐसा आर्थिक मापक है, जिसका उपयोग उन वस्तुओं और सेवाओं के लिए किया जाता है, जिनको एक औसत उपभोक्ता अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए निश्चित अवधि में खरीदता है। माना जाता है, अमीर तबका खाने-पीने की चीजों व ईंधन आदि पर अपने कुल खर्च का बहुशुल्क चार-पांच फीसदी हिस्सा खर्च करता है। यही नहीं, उसकी कमाई मूलतः उन्हीं व्यवसायों से होती है, जिनको महंगाई दर बढ़ने से परीक्ष रूप से फायदा होता है। इस तरह, संपन्न लोगों को महंगाई परेशान नहीं करती। उच्च मध्यवर्ग भी कमीवेश अमीर तबके के साथ कदमताल करता रहता है। उसके पास बचत का हथियार होता है और खाने-पीने या ईंधन आदि पर वह भी तुलनात्मक रूप से कम खर्च करता है। नतीजतन, महंगाई को वह भी सफलतापूर्वक बर्दाश्त कर लेता है। दिक्रत निम्न मध्यवर्ग से शुरू होती है। अगल तो उसकी आमदनी बहुत ज्यादा नहीं होती, फिर महंगाई बढ़ने से उसका बजट अड़बड़ने लगता है। ऐसे में, वह पैसे नहीं बचा पाता। यह स्थिति 'सेविंग खोना' कहलाती है। मौजूदा महंगाई दर इस तबके को परेशान कर सकती है, क्योंकि उनकी आमदनी उतनी नहीं है, जबकि खर्चों का बोझ बढ़ जाएगा। इससे उनमें वित्तीय असुरक्षा और तनाव बढ़ सकता है। गरीबों या वंचितों की दशा सबसे अधिक खराब होती है। उनके पास बचत का ऐसा कोई साधन नहीं होता, जिनसे उनको आर्थिक सहारा मिल सके। नतीजतन, वे अपने खर्च में कटौती करने लगते हैं। अभी भले त्योहारों की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन यह तबका बहुत ज्यादा खरीदारी करते हुए आपको शायद ही देखें। अलबत्ता, खाने-पीने की चीजों में भी इस वर्ग की कतर-ब्याँत शुरू हो जाते हैं। इन्हें सबका संकेत साफ है। हमारी सरकारों को अलग-अलग तबके पर महंगाई के पड़ने वाले अलग-अलग असर को देखते हुए नीतियां बनानी चाहिए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि महंगाई दर बाजार पर भी एक समान असर नहीं डालती। मसलन, जो संपन्न तबका है, वहां मांग बनी रहेगी। उल्टे, उनका खर्च बढ़ भी सकता है, क्योंकि महंगाई से उनको कमाई बढ़ती है। इसलिए, मांग की कमी वहां होगी, जहां गरीब और वंचित तबका खरीदारी करता है। इस तरह, आने वाले दिनों में सामाजिक वर्ग के हिसाब से बाजार पर महंगाई दर असर डाल सकती है। अभी थोक महंगाई दर अधिक है, जबकि खुदरा कम। यह संकेत है कि आने वाले दिनों में दाम और बढ़ेंगे। ऐसे में, गरीब और निम्न मध्यवर्ग की पेशानी बड़ सकती है। उनको दूसरी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। अगल में, जब देश में महंगाई या उत्पादन लागत बढ़ती है, तो इलेक्ट्रिक उत्पादों की कीमतों पर भी उसका असर पड़ता है। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी, फ्रिज जैसे उत्पादों के दाम बढ़ने लगते हैं। यह वृद्धि अब भी होगी। हालांकि इसमें बड़ेदारी की एक बड़ी वजह चिप भी है, क्योंकि वैश्विक उथल-पुथल के कारण इसके दाम लगातार बढ़ रहे हैं। दिक्रत यह है कि संगठित क्षेत्र को दीपावली के मौके पर मिलने वाले बोनस से उनकी समस्या तो कुछ हद तक दूर हो सकती है, लेकिन असंगठित क्षेत्र को यह सुविधा नहीं मिलेगी। ऐसे में, उनकी राह मुश्किल हो सकती है। यह समझना होगा कि जैसे-जैसे गैर-बराबरी बढ़ती है, अर्थव्यवस्था में मांग कम होती जाती है। इससे रोजगार भी कम होने लगते हैं और त्योहारों मौसम के कुछ असंगठित काम बंद हो जाते हैं- जैसे, हलवाई दुकानों में सहायक के काम या फिर डिलिवरी व्यंज के। मौजूदा महंगाई दर से भी यह खतरा बना हुआ है। इसका अर्थ है कि त्योहार के समय गरीब तबकों में जो थोड़ी-बहुत खुशी दिखती रही है, इस बार वह मलिन पड़ सकती है। निम्न मध्यवर्ग भी प्रभावित हो सकता है।



छोटी-छोटी बातों से परेशान रहता है मन? गीता की ये सीख देगी मन को सुकून

छोटी-छोटी बातों की चिंता और तनाव से मन परेशान रहता है? जानें श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय की सीख, स्थितप्रज्ञ का अर्थ और श्रीकृष्ण के अनमोल विचार।

गीता की सीख मन की शांति-कई बार छोटी-छोटी बातों भी मन को इतना परेशान कर देती हैं कि जरूरी काम करना मुश्किल हो जाता है। किसी बात के बिगड़ने का डर हो या कुछ खोने की चिंता, मन लगातार उलझा रहता है। ऐसे में श्रीमद्भगवद्गीता की सीख जीवन को देखने का नजरिया बदल सकती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए मनुष्य को सुख-दुख और लाभ-हानि में संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है।

खोने के डर को मन पर हावी ना होने दें-भगवान श्रीकृष्ण की सीख के अनुसार, मनुष्य की चिंता का एक बड़ा कारण किसी चीज को खोने का डर है। जब हम किसी उपलब्धि, रिश्ते या सुख-सुविधा से बहुत ज्यादा जुड़ जाते हैं, तो उसे खोने की आशंका परेशान करने लगती है। कई बार मनुष्य किसी चीज को हासिल करने के बाद भी उसके छिन जाने की चिंता में रहता है। इसलिए जीवन में जो कुछ मिला है, उसका आनंद लें, लेकिन उसे हमेशा अपने पास बनाए रखने की जद ना करें। यही सोच मन को हल्का रखने में मदद करती है।

सुख और दुख को एक समान समझें-श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में संतुलित रहने की सीख दी है। जीवन में कभी मन के मुताबिक परिणाम मिलते हैं, तो कभी निराशा हाथ लगती है। अगर हर अच्छी बात पर जरूरत से ज्यादा खुश और हर परेशानी में टूटने लगेंगे, तो मन हमेशा बेचैन रहेगा। इसलिए सुख मिलने पर अहंकार ना करें और दुख आने पर हिम्मत ना हारें। समय के साथ परिस्थितियां बदलती रहती हैं। इस बात को समझने वाला व्यक्ति मुश्किल समय में भी धैर्य बनाए रखता है।

अपने कर्म पर ध्यान दें, परिणाम की चिंता छोड़ें-गीता की सबसे महत्वपूर्ण सीखों में एक है कि मनुष्य को अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। कई बार हम परिणाम के बारे में इतना सोचने लगते हैं कि काम पर ठीक से ध्यान ही नहीं दे पाते हैं। असफलता का डर मन में बैठ जाता है और छोटी-सी परेशानी भी बड़ी लगने लगती है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि प्रयास करना हमारे हाथ में है, लेकिन हर परिणाम हमारे अनुसार हो, यह जरूरी नहीं।



* सोलह संस्कार

1. गर्भाधान संस्कार
2. पुंसवन संस्कार
3. सीमन्तोन्नयन संस्कार
4. जातकर्म संस्कार
5. नामकरण संस्कार
6. निष्क्रमण संस्कार
7. अन्नप्राशन संस्कार
8. मुंडन संस्कार
9. कर्णवेधन संस्कार
10. यज्ञोपवीत संस्कार
11. वेदारंभ संस्कार
12. केशांत संस्कार
13. समावर्तन संस्कार
14. विवाह संस्कार
15. सन्यास संस्कार
16. अन्त्येष्टि संस्कार

* अष्ट सिद्धि

1. अणिमा
2. महिमा
3. गरिमा
4. लविमा
5. प्राप्ति
6. प्राक्राम्य
7. ईशित्व
8. वशित्व

* नव निधियां

1. पच निधि
2. महापच निधि
3. नील
4. मुकुंद निधि
5. नंद निधि
6. मकर निधि
7. कच्छप निधि
8. शंख निधि
9. खर्व निधि

* 27 नक्षत्र

1. आश्विन
2. भरणी
3. कृत्तिका
4. रोहिणी
5. मृगशिरा
6. आर्द्रा
7. पुनर्वसु
8. पुष्य
9. अश्लेषा
10. मघा
11. पूर्वा फाल्गुनी
12. उत्तरा फाल्गुनी
13. हस्त
14. चित्रा
15. स्वाति
16. विशाखा
17. अनुराधा
18. ज्येष्ठा
19. मूल
20. पूर्वाषाढ़ा
21. उत्तराषाढ़ा
22. श्रवण
23. धनिष्ठा
24. शर्ताषाढ़ा
25. पूर्वा भाद्रपद
26. उत्तरा भाद्रपद
27. रेवती

* 12 राशियाँ

1. मेष
2. वृषभ
3. मिथुन
4. कर्क
5. सिंह
6. कन्या
7. तुला
8. वृश्चिक
9. धनु
10. मकर
11. कुम्भ
12. मीन

* नवग्रह

1. सूर्य
2. चंद्र
3. मंगल
4. बुध
5. बृहस्पति
6. शुक्र
7. शनि
8. राहु
9. केतु

* चार वेद

1. ऋग्वेद
2. यजुर्वेद
3. सामवेद
4. अथर्ववेद

* सप्त ऋषि

1. वशिष्ठ
2. विश्वामित्र
3. कण्व
4. भारद्वाज
5. अत्रि
6. वामदेव
7. शौनक

* 18 पुराण

1. ब्रह्म पुराण
2. पंच पुराण
3. विष्णु पुराण
4. वायु पुराण (शिव पुराण)
5. भागवत पुराण
6. नारद पुराण
7. मार्कण्डेय पुराण
8. अर्जुन पुराण
9. भविष्य पुराण
10. ब्रह्मवैवर्त पुराण
11. लिंग पुराण
12. वाराह पुराण
13. स्कन्द पुराण
14. वामन पुराण
15. कूर्म पुराण
16. मत्स्य पुराण
17. गरुड पुराण
18. ब्रह्माण्ड पुराण

* सोलह श्रृंगार

1. बिंदी
2. सिंदूर
3. काजल
4. मेरुदी
5. चूड़ियाँ
6. मंगल सूत्र
7. नथ
8. गजरा
9. मांग टीका
10. झूमक
11. बाजूबंद
12. कमरबंद
13. बिछिया
14. पायल
15. अंगूठी
16. सान

डॉ. दिनेश माथुर की पुस्तक 'अपनी-अपनी रामायण' का हुआ भव्य विमोचन, आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया रहे मौजूद



जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में डॉ. दिनेश माथुर द्वारा लिखित नवीन पुस्तक अपनी-अपनी रामायण का विमोचन समारोह का भव्य एवं गरिमायुय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्य, कला और संस्कृति जगत की अनेक गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। समारोह में विद्वान आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने विशेष रूप से

शिरकत की। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों एवं प्रबुद्धजनों द्वारा विधिवत रूप से डॉ. दिनेश माथुर की कृति अपनी-अपनी रामायण का विमोचन किया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. दिनेश माथुर का यह प्रयास पाठकों को रामायण के व्यावहारिक, सामाजिक और आध्यात्मिक दर्शन से नए दृष्टिकोण के साथ जोड़ने का

कार्य करेगा। आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया एवं अन्य अतिथियों ने लेखक के शोधपरक एवं संवेदनशील लेखन की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम में शहर के अग्रगण्य साहित्यकार, शिक्षाविद, समाज सेवी और बड़ी संख्या में प्रबुद्ध पाठक उपस्थित रहे। अंत में लेखक डॉ. दिनेश माथुर ने सभी आमंतुक अतिथियों एवं साहित्य प्रेमियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

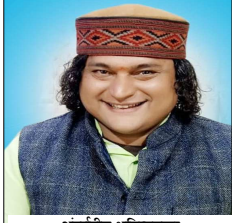


जागृति संस्थान द्वारा महिला स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय पहल

विगतनगर (संस्कार सृजन)। Altimetrik के सहयोग से जागृति संस्थान, विगतनगर द्वारा संचालित Marginalized Women Programme के अंतर्गत ग्रामीण एवं वंचित महिलाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। गुरु कृपा हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं सहित ग्रामीण समुदाय की महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। कार्यक्रम के दौरान सिलाई प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली महिलाओं को Altimetrik के सहयोग से सिलाई मशीनें तथा जागृति संस्थान द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना है। जागृति संस्थान महिलाओं के स्वास्थ्य, कौशल विकास और आजीविका संबंधन के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता रही। जागृति संस्थान का उद्देश्य महिलाओं को स्वस्थ, कुशल एवं आत्मनिर्भर बनाकर सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देना है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल



अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवाक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेघ : कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी है। योग और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करें। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी यात्रा की योजना बन सकती है।

वृषभ : नौकरोंपेशा लोगों को प्रमोशन या मनचाही जगह ट्रांसफर की खुशखबरी मिल सकती है। व्यवसाय में कोई रुकी हुई डील इस दौरान पूरी हो सकती है। निवेश के लिए समय अनुकूल है। पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। घर में

मांगलिक कार्य या किसी नए मेहमान के आने की संभावना है। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन : बौद्धिक कार्यों और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए यह समय विशेष लाभकारी रहेगा। नौकरी में नए प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी मिल सकती है। आय अच्छी रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। पुरानी किसी स्वास्थ्य समस्या में सुधार देखने को मिलेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

कनक : कार्यस्थल पर संभलकर चलने की जरूरत है। विरोधी आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकते हैं। व्यापार में पार्टनरशिप से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। सदी-जुकाम या थकान परेशान कर सकती है। पर्याप्त नींद लें। माता के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। पारिवारिक मामलों में धैर्य से काम लें।

सिंह : आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-

सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक मोर्चे पर मजबूती आएगी। गुस्से और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखें, अन्यथा चोट लग सकती है। दौलत जीवन में मधुरता आएगी।

कन्या : छात्रों और शोधार्थियों के लिए यह समय बहुत ही अनुकूल है। नौकरी में सहकर्मियों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। बजट बनाकर चलना फायदेमंद रहेगा। त्वचा या एलर्जी से जुड़ी समस्याएं तंग कर सकती हैं। पानी का सेवन अधिक मात्रा में करें। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

तुला : कला, संगीत और फैशन से जुड़े लोगों के लिए बेहतरीन अवसर सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मकता की प्रशंसा होगी। धन लाभ के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। मानसिक शांति बनी रहेगी। फिटनेस को लेकर आप काफी सक्रिय नजर आएंगे। घर-परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अधिक रहेगा, जिसके कारण मानसिक तनाव हो सकता है। आर्थिक मामलों में उतार-चढ़ाव आ सकता है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। जोड़ या मांसपेशियों में दर्द की शिकायत हो सकती है। परिवार में किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है।

धनु : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अटके हुए सरकारी काम पूरे होंगे। नई नौकरी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। परिवार के साथ आनंददायक समय बीतेगा।

मकर : कार्यस्थल पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। अधिकारियों का विश्वास आप पर बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर बनी रहेगी। जोड़ों के दर्द या पुरानी बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। जीवनसाथी के साथ वैचारिक



मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ : नई तकनीकी या विचारों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। व्यापार में लाभ के योग हैं। धन का आम्रम सुचारु रूप से बना रहेगा। भाई-बहनों की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। मानसिक रूप से हल्का और प्रसन्न महसूस करेंगे। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन : कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पूरा समर्थन मिलेगा। रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए समय विशेष फलदायी है। व्यापार में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। निवेश से जुड़े मामलों में फायदा मिल सकता है। आंखों से जुड़ी समस्या या अनिद्रा को शिकायत हो सकती है। पारिवारिक जीवन शांतपूर्ण रहेगा।

कहानी (दीपक वही लौ)

एक छोटे से शांत कस्बे में केशव नाम का एक बुद्ध रहता था। कभी वह शहर का सबसे कुशल और प्रसिद्ध कुम्हार हुआ करता था, जिसके बनाए दीयों की चमक दूर-दूर तक पहचानी जाती थी। लेकिन वक के पहिए ने ऐसी कवट ली कि आधुनिक रंग-बिरंगी चाइनीज लाइटों और मोमबत्तियों के दौर में मिट्टी के दीयों की पूछ कम हो गई। केशव की कला, उसकी मेहनत और उसका हुनर इस कवचचिंध में कहीं पीछे छूट गया। अब उसकी दुनिया एक टूटी-फूटी शोपड़ी और कुछ चाक के टुकड़ों तक सिमट कर रह गई थी।

दीपावली का दिन था, चारों ओर खुशियों की धूम थी, लोग अपने घरों को सजा रहे थे। लेकिन केशव के घर का चूल्हा भी बमसिल जल रहा था। उसके पास इस बात का दुख नहीं था कि दो वक की रोटी का जुगाड़ मुश्किल था, बल्कि असली पीड़ा

इस बात की थी कि लोग अब मिट्टी के उस दीये को भूलते जा रहे थे, जो सदियों से घरों के अंधेरे को दूर करता आया था। शाम ढलते ही उसने अपने आंगन में कुछ गिने-चुने दीये सजाए और उन्हें जलाने लगा। तभी वहां एक दस साल का बच्चा, आरव, अपने पिता के साथ आया। आरव के हाथ में डिजाइनर मोमबत्तियों का डिब्बा था, लेकिन उसकी नज़रें केशव के बनाए उन सादे और सुंदर मिट्टी के दीयों पर टिक गईं। आरव ने अपने पिता से कहा, पापा, मुझे ये वाले दीये चाहिए। वो मोमबत्ती तो कुछ ही घंटों में पिघल जाएगी, लेकिन ये दीये तो मिट्टी की खुशनु देते हैं। पिता ने मुस्कुराते हुए हामी भर दी। आरव ने उत्साह



प्रभाती लाल सैनी

से पूछा, बाबा, आपके ये दीये बाकी दुकानों से अलग क्यों लगते हैं? केशव के चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान आई, जिसकी गहराई में जीवन भर का अनुभव छिपा था। उसने प्यार से बच्चे के सिर पर हाथ रखा और कहा, बेटा, आधुनिक चीजें रोशनी तो देती हैं, लेकिन उनमें वो तीसरा और अपनापन नहीं होता जो मिट्टी के दीयों में होता है। यह दीया खुद जलकर दूसरों के घर को रोशन करता है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में कितनी भी मुश्किलें आएँ, अपने भीतर की रोशनी को कभी बुझने मत देना। आरव उन शब्दों के गहरे अर्थ को तो पूरी तरह नहीं समझ पाया, लेकिन उसके बाल-मन पर उस बात का गहरा असर हुआ। उसने केशव से सारे दीये खरीद लिए और अपनी

जेबक खर्च से मिले पैसे उसे दे दिए।

उस रात जब आरव ने अपने पूरे घर में उन मिट्टी के दीयों को सजाया, तो उनके जलने से पूरा घर एक अलग ही सुकून और पवित्रता से भर उठा। खिड़की से जब केशव ने उस घर की झिलमिलाहट देखी, तो उसकी सूखी आंखों में संतोष के आँसू आ गए। उसे अहसास हुआ कि सच्ची दीवाली भीतिक चीजों की चमक-धमक में नहीं, बल्कि किसी बुझते हुए दिए उम्मीद को फिर से रोशन करने में है।

यह कहानी हमें यह सिखाती है कि आधुनिकता की अधी दौड़ में हमें अपनी संस्कृति, अपनी मिट्टी और उन लोगों को नहीं भूलना चाहिए जो हमारी परंपराओं को जिंदा रखे हुए हैं।

असली दीवाली तभी मनती है जब हम दूसरों के जीवन में उम्मीद का एक छोटा सा दीया जलाने का काण बन सकें।

जयपुर में होगा सुपर मॉडल वर्ल्डाइड-2026 का ग्रैंड फ़िनाले

40 देशों की मॉडल्स लैंगी हिस्सा, 25 अक्टूबर को होगा आयोजन

जयपुर (नि.सं.)। जयपुर में 25 अक्टूबर को सुपर मॉडल वर्ल्डाइड-2026 के ग्रैंड फ़िनाले का आयोजन होगा। इस इवेंट में 40 देशों की मॉडल्स हिस्सा लेंगी। सुपर मॉडल ग्रैंड फ़िनाले का आयोजन आगरा रोड स्थित एग्सेरिया रिसॉर्ट एंड स्पा में होगा। इस आयोजन में अलग-अलग देशों की सुरक्षा, पारंपरिक संस्कृति, रचनात्मकता और फैशन का संगम देखने को मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के जरिए जयपुर को वैश्विक फैशन, मॉडलिंग और पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान दिलाने की तैयारी है। आयोजन को लेकर जयपुर के होटल प्राइम सफारी में पोस्टर लॉन्च किया गया।

विजयादशमी पर पथ संचलन कर मनाया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस



जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमू शहर के केशव नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की केशव बस्ती के स्वयंसेवकों ने संघ की 101 वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ योग व्यायाम के प्रदर्शन से किया गया। अवतरण एवं काव्य गीत के पश्चात जिला बौद्धिक प्रमुख जगवीर सिंह ने संघ स्थापना की आवश्यकता एवं पृष्ठभूमि से अवगत कराया।

संघ की शाखा पर राष्ट्रीय के संस्कार के द्वारा चरित्र निर्माण के माध्यम से देशभक्त नागरिक बनाने की प्रक्रिया का

विस्तार से वर्णन किया। विभिन्न प्रसंगों एवं युक्तियों के द्वारा दैनिक शाखा का महत्व समझाते हुए स्वयंसेवकों से प्रतिदिन शाखा आने का आग्रह किया।

केशव बस्ती प्रमुख नरेंद्र शर्मा ने बताया कि शारीरिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम के बाद सभी स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में केशव बस्ती में पथ संचलन किया। पथ संचलन में व्यवसायी-कर्मचारी वाहिनी, ध्वज वाहिनी, घोषवाहिनी एवं विद्यार्थी वाहिनी में सैकड़ों स्वयंसेवक घोष की ताल पर कम से कदम मिलाकर चल रहे थे।

विद्यार्थी कार्य प्रमुख अजय सैनी ने कहा कि पथ संचलन बालिका आदर्श विद्या मंदिर से महेश नगर, जीण माता मंदिर, केशव नगर, होली दरवाजा, हरजन बस्ती, बापू बाजार, चौपड़, जैन मोहल्ला, भूखमरिया मोहल्ला, सिंघी कॉलोनी होता हुआ वापस काश्मर स्थल पर पहुंचा। संचलन मार्ग पर पुष्प वर्षा एवं भारत माता की जय घोष से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक निखिल सैनी सहित सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणेश में उपस्थित रहे।



सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया डॉ. अम्बेडकर गौरव सम्मान-2026 से हुए सम्मानित

बीकानेर (संस्कार सृजन)। भारतीय दलित साहित्य अकादमी बीकानेर द्वारा 11 अक्टूबर 2026, रविवार को सुखजन क्लब अपार्टमेंट्स, अशोक नगर रोड बैशालीपुरम बीकानेर में दलित साहित्य दिवस पर आयोजित प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय दलित साहित्यकार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सोहनपाल सुमनाशर, अकादमी के प्रदेशाध्यक्ष एवं पीठाधीश्वर हरिरामाचार्य पीठ जोधपुर के प्रो. स्वामी आत्माराम उपाध्याय, आर्किटेक्टर सुरेंद्र कुमार बेरी, अकादमी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जय सुमनाशर, राष्ट्रीय सचिव बाबुलाल निर्मल, प्रदेश महामंत्री संगठन भोमाराम बोस, सोहनलाल गोयल, मोजाराम कड़ेला, प्रदेश उपाध्यक्ष पुनमचंद गोयल, सचिव

खिंयाराम जनागल, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हेमालता कांसोठिया, संभाग अध्यक्ष किशनाराम काटिया उजास, जिलाध्यक्ष सुखराम चिनिया सहित अन्य अतिथियों ने बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमू के महासचिव टांकरड निवासी सुरेंद्र सिंह हरसोलिया को डॉ. अम्बेडकर गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

दलित साहित्य सम्मेलन के अवसर पर महिला सशक्तिकरण, साहित्य, शिक्षा, संस्कृति तथा वर्तमान में दलितों की दशा व दिशा पर महत्वपूर्ण सुझाव रखें एवं भारतवर्ष साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का संकल्प लेने पर हरसोलिया को डॉ. अम्बेडकर गौरव सम्मान-2026 से नवाजा गया।

बराला हॉस्पिटल में हुआ फिजियोथेरेपी विभाग का आधुनिक टेक्नोलॉजी का विस्तार

जयपुर (संस्कार सृजन)।

बराला हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की कड़ी में पहले से संचालित फिजियोथेरेपी विभाग को आधुनिक मशीनों एवं रोबोटिक फिजियोथेरेपी सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है। ग्राउंड फ्लोर पर स्थित इस आधुनिक विभाग का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को मेट्रो सिटी जैसी उन्नत फिजियोथेरेपी सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. श्रवण बराला, डॉ. हनुमान बराला सहित सभी डॉक्टर, स्टाफ एवं मरीजों के परिजनों ने फिजियोथेरेपी विभाग की एचओडी डॉ. सुनीता चोपड़ा को माला एवं साफा पहनाकर बधाई दी। बराला हॉस्पिटल क्षेत्र का एकमात्र ट्रीमा सेंटर है, जहाँ प्रतियुक्त न्यूरो, स्पाइन एवं ऑर्थोपेडिक समस्याओं से संबंधित मरीज उपचार के लिए आते हैं। ऐसे मरीजों के लिए आधुनिक फिजियोथेरेपी सुविधाएं उनकी रिकवरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हॉस्पिटल में ब्रेन एवं स्पाइन संबंधी



बीमारियों के उपचार के लिए मिनिमली इन्वेसिव सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं ऑर्थोपेडिक विभाग में टोटल नॉरिस्पेसमेंट, हिप रिस्पेसमेंट, आर्थ्रोस्कोपी, ACL रिस्ट्रक्चर (घुटने के लिगामेंट की

सर्जरी) एवं शोल्डर रिस्पेसमेंट जैसी उन्नत उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इन उपचारों एवं सर्जरी के बाद मरीजों की रिकवरी को बेहतर बनाने में फिजियोथेरेपी का विशेष महत्व है। विशेष रूप से ACL रिस्ट्रक्चर, जॉइंट

रिस्पेसमेंट तथा न्यूरो एवं स्पाइन संबंधी उपचार के बाद व्यवस्थित फिजियोथेरेपी मरीजों को घुटने की गतिशीलता, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक कार्यक्षमता दोबारा हासिल करने में मदद करती है। विभाग के आधुनिकीकरण से

स्पाइन, हिप एवं जॉइंट संबंधी समस्याओं, सर्वाइकल को परेशानी तथा सर्जरी के बाद रिकवरी की जरूरत वाले मरीजों को आधुनिक मशीनों एवं रोबोटिक फिजियोथेरेपी तकनीक के माध्यम से उपचार की सुविधा मिलेगी।

इसके साथ ही विभाग में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की फिजियोथेरेपी पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार सुरक्षित व्यायाम एवं शारीरिक गतिविधियों में मार्गदर्शन मिलेगा, जबकि बच्चों को उनकी उम्र एवं जरूरत के अनुसार शारीरिक विकास, मूवमेंट और मोटर स्किल्स से संबंधित फिजियोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस आधुनिकीकरण से चौमूं एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को आधुनिक फिजियोथेरेपी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाई गयी हैं। यह पहल मरीजों की बेहतर रिकवरी, शारीरिक क्षमता में सुधार और दैनिक जीवन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



रींगस रोड स्थित अभय आश्रम का वार्षिकोत्सव 25 अक्टूबर को

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के रींगस रोड स्थित रतन विहार कॉलोनी स्थित अभय आश्रम का वार्षिकोत्सव आगामी 25 अक्टूबर को 10 बजे से बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस पवन अवसर पर आश्रम में विभिन्न धार्मिक व आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वार्षिकोत्सव के मुख्य आकर्षण ब्रह्मनिष्ठ संत रतन रंगीला महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रम रहेंगे। महाराज के मुखारविंद से आयोजित होने वाले सत्संग और अमृतमयी प्रवचनों से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत-महात्माओं और धर्मप्रियों के शामिल होने की संभावना है। आश्रम समिति की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, वार्षिकोत्सव के इस पवन पर्व पर संस्था के समय विशाल प्रसादी (भंडारे) का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रियों, श्रद्धालुओं और आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गुरु महाराज के दर्शन लाभ लें और वार्षिकोत्सव के इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाएं।

गरिमा चौहान बनीं बेटी फाउंडेशन क्लब की ब्रांड फेस

जयपुर (संस्कार सृजन)। मिसेज इंडिया द क्राउन 2026 विजेता, समाजसेवा एवं महिला सर्वाधिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली समाजसेविका एवं चिकित्सक गरिमा चौहान को उनके सामाजिक कार्यों, जनसेवा के प्रति समर्पण तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों को देखते हुए बेटी फाउंडेशन क्लब की ब्रांड फेस नियुक्त किया गया है। गरिमा चौहान ने चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में अपनी



सेवाओं के माध्यम से समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना का परिचय दिया है। उनकी यह नियुक्ति बेटी फाउंडेशन क्लब के महिला सर्वाधिकरण, बालिका शिक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। बेटी फाउंडेशन क्लब का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाना, उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना तथा समाज में समानता एवं सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना है। गरिमा चौहान की नियुक्ति से संगठन को सामाजिक जागरूकता के अभियानों को नई दिशा देने और अधिक से अधिक लोगों तक अपने संदेश को पहुंचाने में सहायक मिलेगा। बेटी फाउंडेशन क्लब के संस्थापक एवं निदेशक राज शर्मा ने गरिमा चौहान को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह अपने अनुभव, सेवाभाव और सकारात्मक सोच के माध्यम से संगठन के सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह नियुक्ति केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण, महिला सम्मान और बेटीयों के उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक है।

विराज फाउण्डेशन ने मुकेश दीक्षित - ममता शर्मा को समाज सेवा दंपति गौरव रत्न से किया अलंकृत



जयपुर (संस्कार सृजन)। विराज फाउण्डेशन के द्वारा समाज एवं मानव सेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुकेश दीक्षित एवं ममता शर्मा को समाज सेवा दंपति गौरव रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। फाउण्डेशन के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवारी ने दंपति को सम्मान प्रदान कर उनके सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवारी ने कहा कि मुकेश दीक्षित एवं

ममता शर्मा लंबे समय से समाज सेवा और मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज के प्रति उनका समर्पण, सेवा भावना एवं निरंतर योगदान अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। उनके इन्हीं उत्कृष्ट सेवा कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से विराज फाउण्डेशन द्वारा उन्हें समाज सेवा दंपति गौरव रत्न से सम्मानित किया गया।

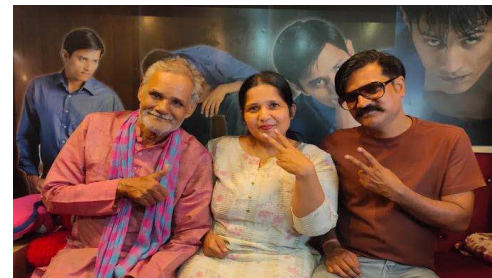
इस अवसर पर सरक्षक डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, समाजसेवी गोपाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, लोकचंद हरिरामानी, नगेंद्र

वशिष्ठ, काशीनाथ दीक्षित, रामचरण जांगिड़, बनवारी लाल शर्मा, डॉ. सी.एम. सैनी, ओमप्रकाश रीडर, डॉ. एम.के. अग्रवाल, एडवोकेट अजय कुमार शर्मा, शशिकान्त शर्मा, सत्य प्रकाश पारीक, चंद्र प्रकाश शर्मा, नारायण लाल शर्मा, डॉ. सीताराम कुमावत, दिनेश कुमावत, रामपाल बामोल्या, राधेश्याम जोशी, दामोदर प्रसाद खांडेल, पेंशन मंच अध्यक्ष राधेश्याम यादव, रामपाल कुमावत, श्रीराम बटवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शाहरुख खान के जन्मदिन पर रिलीज़ होगा राजस्थानी गीत 'पगड़ी ऊँची मूँछों पे मरोड़'

जयपुर (संस्कार सृजन)। शाहरुख खान के जन्मदिन यानी 2 नवंबर के ख़ास अवसर पर एसआरके फिल्म प्रोडक्शन्स अपने नए राजस्थानी गीत पगड़ी ऊँची मूँछों पे मरोड़ को रिलीज़ करने जा रहा है।

राजस्थानी की संस्कृति, पारंपरिक पहनावे, शान और युवा ऊर्जा से भरपूर यह गीत दर्शकों को राजस्थानी रंग और आधुनिक प्रस्तुति का खूबसूरत संगम देखने को मिलेगा। इस गीत के माध्यम से राजस्थानी की लोक संस्कृति और यहां की आन-बान-शान को नए अंदाज़ में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। गीत में ग्लैम ऑफ बॉलीवुड के विजेता के साथ राजस्थानी सिनेमा के महानायक असेन तंवर नजर आएंगे। गाने की गीतकार डॉ. भावना शर्मा हैं, जबकि इसका निर्देशन राजवीर सिंह भाटी ने किया है।



एसआरके फिल्म प्रोडक्शन्स की ओर से यह गीत राजस्थानी की मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं को सेलिब्रेट करने वाली एक विशेष प्रस्तुति है। पगड़ी ऊँची मूँछों पे मरोड़ में राजस्थानी स्वाभिमान, पारंपरिक

अंदाज़ और नई पीढ़ी की ऊर्जा का मेल देखने को मिलेगा। 2 नवंबर को रिलीज़ होने वाला यह गीत दर्शकों के लिए राजस्थानी की संस्कृति से जुड़ी एक ख़ास संगीतमय सीमांत होगा।